वीसी प्रो. शांडिल्य बोले- प्रकृति से खिलवाड़ के चलते जनजातीय संस्कृति हो रही विलुप्त

रांची | डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. तपन कुमार शांडिल्य ने कहा कि ग्लोबल वार्मिंग, प्रकृति से खिलवाड़ के चलते जनजातीय संस्कृति विलुप्त होने के कगार पर है। इससे बचाने और संरक्षित करने के लिए साझा प्रयास करना होगा। वे रविवार को इंदिरा गांधी नेशनल सेंटर फॉर द आर्ट्स और डीएसपीएमयू के टीआरएल विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित सेमिनार की अध्यक्षता करते हुए उपरोक्त बातें कही। पीआरओ प्रो. राजेश कुमार सिंह ने बताया कि पूर्व कुलपति प्रो. एसएन मुंडा, खोरठा विभाग के एचओडी डॉ. विनोद कुमार, संबलपुर विवि के पूर्व वीसी बीसी बारीक, डॉ. कमल कुमार बोस समेत अन्य ने विचार रखे। दूसरे सत्र में रक्षा शक्ति विवि के वीसी पीआरके नायडू ने विचार रखे। तीसरे सत्र में पद्मश्री मुकुंद नायक समेत अन्य ने संबंधित विषय पर प्रकाश डाला। आरयू के वीसी प्रो. अजीत कुमार सिन्हा ने भी अपने विचार रखे।

रांची एक्सप्रेस
नया दौर, नई खबर

प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत लाभुकों को 30 मार्च 2023 तक अधुरा पड़े आवास निर्माण कार्य को पूरा करने का आदेश दिया । प्रखंड विकास पदाधिकारी ने सिल्ली ने बताया कि प्रखण्ड मे लगभग 500 आवास पेंडिंग है । उसे पूर्ण कराने हेतु शनिवार दिनांक 18.03.2023 को सिल्ली प्रखण्ड के थाना परिसर में प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत पेंडिंग आवास के लाभुकों को थाना बुलाया गया और जल्द से जल्द 30 मार्च तक आवास निर्माण कार्य को पूरा करने का आदेश दिया गया । साथ ही लापरवाही बरतने वाले लाभुकों को फटकार लगाई और 10 दिनों में कोरोगेटेड शीट लगा कर पूर्ण करने का निर्देश दिया गया नही तो कानूनी कारवाई करते हुये 12व ब्याज के साथ वसूली कर नीलम पत्र वाद दायर करने और एफ आई आर करने की चेतावनी दी गई । इस अवसर पर प्रखण्ड विकास पदाधिकारी , थाना प्रभारी , प्रखण्ड समन्वयक और प्रखण्ड एवं थाना टीम आदि शामिल थे ।

कि पुरे प्रदेश में बुथ सशक्तिकरण का कार्य चल रहा है। इस कार्य में राष्ट्रीय नेता से लेकर प्रदेश और जिला स्तर तक के नेतागण बुथ क्षेत्र में जाकर बुथ स्तरीय कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर सशक्त बुथ समिति बनाने हेतु कार्यकर्ताओं को प्रेरित कर रहे है। इसी क्रम में प्रदेश प्रभारी जमशेदपुर से

लौटने के क्रम में प्राचीन कालीन मां दिउड़ी के दरबार में माथा टेका। उन वहीं प्रदेश प्रभारी के दिउड़ी पहुंचने पर तमाड़ विधानसभा क्षेत्र के वरिष्ठ वालों में प्रदेश महिला मोर्चा अध्यक्ष आरती कुजूर, भाजयुमो जिला अध्यक्ष रंजित लाहेरी, भाजपा मंडल अध्यक्ष बुण्डु आलोक दास, तमाड़ मंडल अध्य तमाड़ मंडल अध्यक्ष विष्णुपद महतो,भाजयुमो मंडल अध्यक्ष बुण्डु अपुल गु मुखर्जी, शंकर सोनी, सुरेन्द्र साहु, धनेश्वर महतो,उदय मुंडा,हरी मुंडा,प्रवीन

आदिवासियो का चलना ही नृत्य व बोलना ही संगीत है -महुवा मांझी

▶▶ रातू में सरहुल पूर्व संध्या का भव्य आयोजन

▶▶ बारिश के बावजुद हजारो की संख्या में जुटे लोग

▶▶ कई प्रखंडो से आए खोडहा ने आकर्षित किया

रातू। आदिवासियो का चलना ही नृत्य है और बोलना ही गीत।यह बात पुरी तरह सिद्ध होता है क्योंकि जिस तरह आदिवासी अपने पारंपरिक वेष भुषा में अपनी पहचान बना अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करते है वह अदभुत है।यह बात राज्यसभा सांसद महुवा मांझी ने कही।महुवा मांझी रविवार को रातू किला स्थित मैदान में आयोजित सरहुल पूर्व संध्या कार्यक्रम को संबोधित कर रही थी।आगे उन्होंने कहा कि हमें अपनी परंपरा बचाए रखने के लिए इस तरह के आयोजन की आवश्यकता है।हम प्रकृति के पूजक है हम आदिवासी बिना मोल भाव के प्यार से सब दे देते है।कार्यक्रम को जेएससीए उपाध्यक्ष अजय नाथ शाहदेव ने भी संबोधित करते हुए कि झारखंड आदिवासियो की पहचान है।झारखंड में प्रकृति ने हमें सब कुछ दिया है आज आदिवासी भी वन की रक्षा के लिए सबसे पहले तैयार रहते है।सरहुल भी प्रकृति पर्व है इसमें हम मां सरना की पूजा करते है।आदिवासियो ने ही हमें प्रकृति पुजने की परंपरा दी।राजकुमारी माधुरी मंजरी देवी ने कहा कि जिस तरह इतने दुर से आकर आदिवासी भाई बहने अपने पारंपरिक वेश भुषा में इतनी बारिश के बावजुद नृत्य में मग्न है वह अदभुत है।इससे पहले सरहुल पूजा समिति रातू के अध्यक्ष अमर उरांव ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि हम प्रकृति पूजक है हमें अपने पूर्वजो की बनाई परंपरा को बनाए रखना होगा। कार्यक्रम का उद्घाटन महाराजा की पुत्री माधुरी मंजरी,अजय नाथ शाहदेव व महुवा मांझी ने दीप प्रज्वलित कर किया।कार्यक्रम में अपनी पारम्परिक वेष-भुषा में आए खोड़हाधारियों ने जमकर सरहुल गीत में नृत्य प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में रांची जिला के बेड़ो, लापुंग, चान्हो, मांडर, ईटकी, नगड़ी, रातू, बुण्डू आदी प्रखंडो के खोड़हाधारी शामिल हुए।कार्यक्रम को सफल बनाने में मिथलेश दुबे,विश्वनाथ उरांव,हुसे उरांव, दैविया उरांव, तुलसी उरांव,सीमा देवी,ज्योति देवी,रीता भगत,गोयंदा उरांव, छोटू उरांव,प्रेम उरांव, सोनी कच्छप, चारो उरांव, अहिल्या कच्छप, अनिल उरांव,पुनम लिंडा, बिरेंद उरांव, हीरा उरांव, रवि उरांव, ज्योति भगत, सरोज तिग्गा, नमिता उरांव, जयश्री कुमारी, सरिता उरांव, दिनेश तिग्गा, संदीप तिर्की, बिष्णु उरांव, रंजीत खलखो व प्रतिमा बाड़ा कर मुख्य भुमिका थी।

---------- Page N

Experts discuss on protecting tribal culture and values

OF INDIRA GANDHI NATIONAL CENTER FOR THE ARTS CELEBRATES FOUNDATION DAY

PNS : RANCHI

The foundation day of Indira Gandhi National Center for the Arts was celebrated on Sunday (March 19) under the joint aegis of Indira Gandhi National Center for the Arts, Ranchi (Ranchi University) and Dr. Shyama Prasad Mukherjee University, Ranchi. On the occasion, a seminar-cum-cultural program on conservation of tribal culture and ecology was organized at DSPMU's auditorium. DSPMU VC Dr. Tapan Kumar Shandilya, attended the function as chief guest. The various sessions of the program were presided over by Dr. B.C. Barik, Former Vice Chancellor, Sambalpur University, Odisha and P.R.K. Naidu (Retd. IPS), Vice Chancellor, Jharkhand Raksha Shakti University, Ranchi. The program was inaugurated by lighting the lamp by the guests. Welcoming the guests of the program, Dr. Sapam Ranbir Singh, Regional Director of Indira Gandhi National Center for the Arts, while explaining the purpose of this event, wished for the success of the program.

Dr. Ajit Kumar Sinha, Vice Chancellor of Ranchi University, present on the occasion, spoke about his student life when seats were limited in the educational institute of Ranchi, out of total 16 seats, 2 seats were reserved for Northeast Indian students, so that there could be exchange of cultures. Jharkhand State Open University Vice Chancellor T.N. Sahu said that the art of tribals never allows tribals to become unemployed.

Speaker in this seminar, Dr. Syama Prasad Mukherjee University's former Vice-Chancellor Dr. Satyanarayan Munda said that nowadays people are forgetting their language and culture. He said that today's tribals need to preserve their culture and make them Vishwaguru.

Delegates at foundation day of Indira Gandhi National Center for the Arts in Ranchi.

As a speaker, Dr. Binod Kumar, Head of Department of Khortha Language, Dr. Shyama Prasad Mukherjee University, said that the culture of Jharkhand is identified by the beat of Mandar.

Dr. Kamal Kumar Bose, former head of the Hindi department of St. Xavier's College, Ranchi, said that man needs mother's love and affection for the protection of ecology. Because where there is forest, there is life, where there is life, there is language, there is culture through language, and where there is culture, ecology is safe. Nature is not only the need of tribals, but it is equally important for all mankind, and its protection is the responsibility of every living being.

Dr. Rabindranath Sharma, Professor, Center for Tribal Studies, Central University of Jharkhand, explained in detail about the roles of various institutions in the conservation of tribal culture and ecology. In the next session of the programme, Dr. Steffi Teresa Murmu, Visiting Faculty, Department of Telecommunication and Journalism, Ranchi University explained about the concept of tribal origin, tradition and culture.